TRIKUTA AGRI SEEDS PVT. LTD.

TS SEEDS

Trikuta Seeds®
Plant Good Seeds Today

क्र.	फसल	किस्म	पकने की अवधि(दिन)	उत्पादन प्रति एकड़ कु.	बीज प्रति एकड़ (कि. ग्रा.)	सिंचाई	बुआई का समय	
							UP, HR UK, PB	MP, MH GJ, RJ
1	गेंहू	ARJUN	115 से 125	24-30	60 से 70	3-4	October November December	October November
2	गेंहू	C-306	130 से 135	18-25	40 से 60	2-3	October November December	October November
3	गेंहू	MACS-6768	125 से 130	24-28	60 से 80	3-4	October November December	October November
4	गेंहू	GW-513	120 से 125	24-28	70 से 80	3-4	October November December	October November
5	गेंहू	GW322	120 से 130	24-30	70 से 80	3-4	October November December	October November
6	गेंहू	GW322	110 से 125	22-28	70 से 80	3-4	October November December	October November
7	गेंहू	लोक-1	110 से 120	20-25	70 से 80	2-3	October November December	October November
8	गेंहू	HI1544	110 से 120	20-25	70 से 80	2-3	October November December	October November
9	गेंहू	RAJ4079	120 से 120	24-28	70 से 80	2-3	October November December	October November
10	गेंहू	RAJ4037	120 से 125	25-30	70 से 80	3-4	October November December	October November
11	गेंहू	RAJ4238	120 से 125	25-30	70 से 80	3-4	October November December	October November
12	गेंहू	HI-1650	120 से 125	24-28	70 से 80	3-4	October November December	October November
13	गेंहू	HI-1634	120 से 125	25-30	70 से 80	3-4	October November December	October November
14	गेंहू	TW-911	120 से 125	25-30	70 से 80	3-4	October November December	October November
15	गेंहू	TW-111	110 से 120	20-25	70 से 80	3-4	October November December	October November
16	गेंहू	TW-903	120 से 125	24-28	70 से 80	3-4	October November December	October November
17	गेंहू	KANISHKA	125 से 130	24-28	70 से 80	3-4	October November December	October November
18	खेत का चुनाव/तैयारी		गेहूँ की खेती के लिए दुमट भूमि सर्वोत्तम रहती है और खेती की तैयारी उपयुक्त ढंग से करें।					
19	बीज उपचार		थायरम 75% WDP 1 ग्राम अथवा कार्बेन्डेजिम 50% डब्लू.पी. 2.5 ग्राम प्रतिकिलो ग्राम।					
20	बीज की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर)		100 से 125 कि.ग्रा.					
21	दूरी (अंतराल)		20–22 सेंटीमीटर (कतार से कतार)					
22	बुआई की विधि		फसल में आंतरिक कृषि क्रियाओं को सुगमतापूर्वक के लिए पंक्ति ६ कतार में बुआई करनी चाहिए।					
23	उर्वरक की मात्रा देने का समय		120:60:40 नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश गेंहू की फसल फास्फोरस व पोटास की पूरी मात्रा बोनी के समय देनी चाहिए। नत्रजन की 1/3 मात्रा बोनी के समय एवं 2/3 मात्रा प्रथम सिंचाई के बाद देनी चाहिए।					
24	खरपतवार नियंत्रण		सफल खरपतवार नियंत्रण हेतु हाथ से निराई-गुड़ाई कला आवश्यक होता है। सकरी पत्तीवाले सरपवारों को नष्ट करने के लिए आइसोप्रोटौरान 0.75 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर अथवा मेटाम्यूज़ोरश्वप 15 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हेक्टयर बुआई के 30–358 दिन बाद छिड़काव करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के लिए 2, 4 डी. इथाईल एस्टर का प्रयोग 0.4 कि.ग्रा. क्रिय तत्व प्रति हेक्टर की दर से बुआई के 30–35 दिन बाद करें।					
25	फसल संरक्षण		कण्डवा एवं झुलसा रोग के लिए बीज उपचार कार्बन्डाजिम या काश्वक्सिल 2.5 प्रति किलों का दर से करें। दीपक, जड़माहाँ एव कटुआइल्ली के नियन्त्रण के लिए क्लोराण्डरीफश्वस 20 ई.सी. 0.5 ग्राम या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2.5 ग्राम सक्रियतत्व किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर बुआई करें ।					
26	सिंचाई		प्रथम सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद व आगे आवश्कतानुसार, अच्छी उपज के लिए गेंहू में सिंचाई हेतु छः क्रांतिक अवस्थायें पायी गई है। जिन पर सिंचाई आवश्यक है। प्रथम शीर्ष जड़ जमना, द्वितीय फुटान होते समय, तृतीय-गाँठ बनते समय, चौथी बाली निकलते समय, पाँचवी - दाने की दुधियावस्था, छठी दाना पकते समय।					
27	कटाई		अनुकूल समय वही होता है, जब बीज पूरी तरह से परिपक्व हो।					